

All Inclusive IAS - Prelims 2024

English video

Economy Class-07



MMDR Act

Mines and Minerals (Development & Regulation) (MMDR) Act 1957

Some amendments of last few years

- Removed distinction between captive and merchant mines
- Removed restrictions on transfer of mineral concessions
- Transfer of statutory clearances with change of lessee
- Created National Mineral Exploration Trust
- **Created District Mineral Foundation**

- √ कैप्टिव और मर्चेंट माइंस के बीच का अंतर हटाया
- √ खनिज रियायतों के हस्तांतरण पर प्रतिबंध हटाया
- ✓ पट्टेदार के परिवर्तन के साथ वैधानिक मंजूरी का हस्तांतरण
- √ राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट बनाया
- √ जिला खनिज फाउंडेशन बनाया

Amendments done in 2023 परमाण खनिज

Atomic minerals

- Removed 6 atomic minerals from total list of 12 Beryllium, Lithium, Niobium, Titanium, Tantalum, Zirconium
- Now private companies can also mine them

- 12 परमाण खनिजों की सुची से 6 खनिज हटाए गए बेरिलियम, लिथियम, नाइओबियम, टाइटेनियम, टैंटलम, ज़िरकोनियम
- अब निजी कंपनियां भी इनका खनन कर सकती हैं

Critical minerals: New Part-D in schedule-1

- > State govt will continue to give licence and receive auction premium
- > But Auction will be done by Central govt.

महत्वपूर्ण खनिज: अनुसूची-1 में नया भाग-D

- जैसा की चल रहा है, राज्य सरकार लाइसेंस देगी और नीलामी प्रीमियम प्राप्त करेगी
- लेकिन नीलामी केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी।

Deep-seated and critical minerals (new 7th schedule)

- Introduced 'Exploration License'
- > EL will be issued through auction
- > EL will be valid for 5 years (state can extend for 2 years)
- > Once EL submits report, do auction within 6 months.
- > EL will get share in auction premium
- Diamond, Gold, Silver, Copper, Lead, Zinc, etc.

महत्वपूर्ण और गहराई में प्राप्त होने वाले खनिज (नई 7वीं अनुसूची)

- 'अन्वेषण लाइसेंस' (EL) की शुरुआत
- EL नीलामी के जरिए दिया जाएँगा
- EL 5 साल के लिए होगा (राज्य 2 साल के लिए बड़ा सकता है)
- EL की रिपोर्ट के बाद, 6 महीने के भीतर नीलामी होनी चाहिए
- EL को नीलामी प्रीमियम का एक हिस्सा मिलेगा
- हीरा, सोना, चांदी, तांबा, सीसा, जरुता, आदि।

Critical minerals in part-D of schedule-1

- · Rare earth minerals
- Minerals removed from list of atomic minerals
- Fertilizer minerals: potash, glauconite, phosphate
- Nickel, cobalt, tin, platinum, tungsten, graphite, cadmium, indium,
- molybdenum, rhenium, gallium, vanadium, tellurium, selenium

Note: 100% FDI is allowed in mining and exploration sector through automatic route PIB

खनन और अन्वेषण क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के माध्यम से 100% FDI की अनुमति है PIB

Prelims 2020 Consider the following minerals:

- 1. Bentonite 2. Chromite 3. Kyanite 4. Sillimanite In India, which of the above is/are officially designated as major minerals?
- (a) 1 and 2 only
- (b) 4 only
- (c) 1 and 3 only
- (d) 2, 3 and 4 only

निम्नलिखित खनिजों पर विचार कीजिए:

- 1. बेंटोनाइट 2. क्रोमाइट 3. कायनाइट 4. सिलिमेनाइट भारत में, उपरोक्त में से कौन-स/से आधिकारिक रूप से नामित प्रमुख खनिज (major minerals) है/हैं ?
- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 4
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2, 3 और 4

http://www.arthapedia.in/index.php/Minor_Minerals

☐ Major-minor classification has nothing to do with the quantum /availability of these minerals India produces about 88 minerals (4 fuel, 3 atomic, 26 metallic & non-metallic minerals, 55 minor minerals)

	MAJOR MINERALS	MINOR MINERALS
Laws/policy	Centre	State
Definition	No definition in MMDR Act. Whatever is not declared "minor" may be treated as major.	As per MMDR Act and central govt notification
Examples	Coal, Iron ore, Gold, Uranium, Lignite	Sand, silica sand, clay, gravel, stones, Bentonite, road metal, Marble, Quartz, Quartzite, Dolomite, Felspar, Gypsum, Mica, Shale

- प्रमुख-लघु वर्गीकरण का इन खनिजों की मात्रा/उपलब्धता से कोई लेना-देना नहीं है
- भारत लगभग 88 खनिजों का उत्पादन करता है जिनमें 4 ईंधन, 3 परमाणु, 26 धात्विक और गैर-धातु , और 55 लघु खनिज है

Separate explanation videos are available in English & Hindi			अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं			
	www.allinclusiveias.com	Prelims 2024	Economy	Class-07	Page-038	© All Inclusive IAS

Critical Minerals महत्वपूर्ण खनिज: Antimony Critical minerals: No universal list. कोई सार्वभौमिक सूची नहीं है। 2. Bervllium High supply risk and उच्च आपूर्ति जोखिम और **Every country** हर देश अपनी सूची बनाता है। 3. Bismuth High impact on economy अर्थव्यवस्था पर उच्च प्रभाव makes its own list. 4. Cadmium 5. Cobalt **Mineral Security Partnership** 6. Copper 2022 में अमेरिका और 10 देशों (UK, EU, जापान, 7. Gallium Launched in 2022 by US and 10 countries ऑस्ट्रेलिया, आदि) द्वारा शुरू किया गया। 8. Germanium (UK, EU, Japan, Australia, etc.) 9. Graphite महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने, और To ensure supply of critical minerals, and 10. Hafnium चीन पर निर्भरता कम करने के लिए। reduce dependence on China. 11. Indium 12. Lithium वर्ष 2023 में भारत इसका 14वाँ सदस्य बना। In 2023, India became its 14th member. 13. Molybdenum 14. Niobium Critical Minerals Investment Partnership Link 2023 में भारत और ऑस्ट्रेलिया द्वारा हस्ताक्षरित 15. Nickel Signed by India and Australia in 2023 16. PGE ऑस्ट्रेलिया #1 उत्पादक है, लिथियम का (विश्व का 50%) 17. Phosphorous Australia #1 producer of Lithium (world's 50%) ऑस्ट्रेलिया #2 उत्पादक है, कोबाल्ट का 18. Potash Australia #2 producer of Cobalt 19. REE Australia #4 producer of Rare Earths ऑस्ट्रेलिया #4 उत्पादक है, दुर्लभ भू-धातुओं का 20. Rhenium 21. Selenium सप्लाइ चैन रिज़िल्यन्स इनिश्यटिव **Supply Chain Resilience Initiative** 22. Silicon भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया द्वारा 2021 में शुरू 23. Strontium by India, Japan, Australia in 2021 24. Tantalum **Platinum Group Elements** Rare Earth Elements 25. Tellurium **Europium** Neodymium Platinum 26. Tin Cerium Scandium Gadolinium **Palladium** 27. Titanium **Holmium** Samarium Lanthanum iii) Rhodium Erbium Dysprosium Lutetium 28. Tungsten Ruthenium iv) 29. Vanadium **Thulium** Promethium Yttrium Iridium **Terbium** Praseodymium Ytterbium 30. Zirconium Osmium **Offshore Minerals** https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1945516 https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1945581 अपतटीय खनन Offshore mining: यह अपतटीय क्षेत्र खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम ☐ It is controlled by Centre under Offshore Areas Mineral 2002 के तहत केंद्र द्वारा नियंत्रित है। (Development and Regulation) Act 2002. OAMDR अधिनियम, 2002 वर्ष 2010 में लागू हुआ। लेकिन अभी ☐ OAMDR Act, 2002 came into force in 2010. However, no तक अपतटीय क्षेत्रों में किसी तरह का खनन कार्य नहीं हआ है। offshore mining activity has been undertaken till date. 2002 अधिनियम को 2023 में संशोधित किया गया है ☐ 2002 Act was amended in 2023. Offshore area as per OAMDR Act: OAMDR अधिनियम के अनुसार अपतटीय क्षेत्र: ✓ territorial waters ✓ exclusive economic zone √ प्रादेशिक जल 🗸 अनन्य आर्थिक क्षेत्र ✓ other maritime zones of India √ भारत के अन्य समद्री क्षेत्र ✓ continental shelf √ महाद्वीपीय मग्र तट अधिनियम के नवीनतम प्रावधान Latest Provisions of the Act: Only PSUs can mine atomic minerals केवल सरकारी कंपनी ही परमाणु खनिजों का खनन कर सकती हैं ☐ Two types of rights to private sector by auction नीलामी द्वारा निजी क्षेत्र के दो प्रकार के अधिकार production lease उत्पादन लीज composite license (exploration + production) समग्र लाइसेंस (अन्वेषण + उत्पादन) ■ Production lease: (similar to MMDR Act) उत्पादन लीज : (MMDR अधिनियम के समान) Lease will be valid for 50 years लीज 50 साल के लिए मान्य होगी Provision for renewal has been removed नवीनीकरण का प्रावधान हटा दिया गया है Offshore Area Mineral Trust अपतटीय क्षेत्र खनिज ट्रस्ट • funds will be used for exploration, etc. धन का उपयोग अन्वेषण आदि के लिए किया जाएगा। non-lapsable fund under Public Account of India भारत के सार्वजनिक खाते के तहत गैर-व्यपगत निधि ☐ Limit on total area one person can acquire in offshore अपतटीय क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा प्राप्त क्षेत्रफल पर सीमा No person can acquire more than 45 minutes latitude कोई भी व्यक्ति किसी भी खनिज के संबंध में 45 मिनट अक्षांश by 45 minutes longitude in respect of any mineral. और 45 मिनट देशांतर से अधिक क्षेत्र प्राप्त नहीं कर सकता है

Separate explanation videos are available in English & Hindi

www.allinclusiveias.com Prelims 2024

Economy

Class-07

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

Page-039

© All Inclusive IAS

Geoscience Data

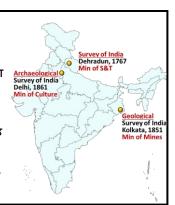
National Geoscience Data Repository Portal

- by Geological Survey of India
- created as part of NMEP, 2016
- It will make available all geological & mineral exploration data in the public domain.

National Mineral Exploration Policy (NMEP), 2016

- It has provision for revenue-sharing
- Create baseline geoscientific data as public good
- Conduct aero-geophysical survey to locate deepseated minerals gold, silver, copper, etc.

- भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा
- NMEP, 2016 के अंतर्गत बनाया गया
- यह सभी भवैज्ञानिक और खनिज अन्वेषण डेटा सार्वजेनिक रूप से उपलब्ध करता है
- राजस्व-साझाकरण का प्रावधान है
- बेसलाइन भवैज्ञानिक डेटा को पब्लिक गुड माना जाएगाँ
- गहराई में पाए जाने वाले खनिजों (सोना, चांदी, तांबा आदि) का पता लगाने के लिए वायु-भुभौतिकीय सर्वेक्षण किया जाएगा



Special Economic Zone

- Duty free area deemed to be foreign territory for trade, tariffs, etc.
- ☐ Can be for manufacturing as well as services.
- ☐ India began setting up SEZs in 2000
- ☐ They are approved under SEZ Act, 2005
- ☐ Approx 450 approved, 276 operational
- शल्क मुक्त क्षेत्र जिसे व्यापार, टैरिफ आदि के लिए विदेशी क्षेत्र माना जाता है
- विनिर्माण और सेवाओं के लिए स्थापित किया जा सकता है
- भारत ने वर्ष 2000 में SEZ की स्थापना शुरू की
- इन्हें SEZ अधिनियम, 2005 के तहत अनुमोदित किया जाता है
- लगभग 450 स्वीकृत, 276 चल रहे है



Export Processing Zone

- ☐ EPZs were similar to SEZs to today.
- ☐ Asia's first EPZ was est in 1965 at Kandla

New name of Kandla port is Deendayal Port It is in Gulf of Kutch, not Gulf of Cambay

🔲 वे आज के SEZ के समान थे

🖵 एशिया का पहला EPZ 1965 में कांडला में हुआ था

कांडला पोर्ट का नया नाम दीनदयाल पोर्ट है यह कच्छ की खाड़ी में है, खंभात की खाड़ी में नहीं

Some benefits ✓ Supplies to SEZ are zero-rated under GST

- ✓ Quality infra ✓ Duty-free import ✓ Single window clearance
- ✓ Income Tax benefits (100% possible) ✓ and much more...
- √ SEZ को जाने वाला माल GST में शून्य-रेटेड है
- 🗸 अच्छा इन्फ्रा 📝 शुल्क मुक्त आयात 📝 सिंगल विंडो क्लीयरेंस
- √ आयकर लाभ (100% संभव) ✓ और भी बहत कुछ...

https://www.mepz.gov.in/PDFs/FAQRelatingtoSEZ.pdf

SEZ can be set up by

√ Government
✓ Private company
✓ Foreign company 100% FDI under automatic route is allowed

Area of SEZ

- 500 5000 hectare (relaxations allowed)
- At least 50% area shall be processing area

Tamil Nadu has most number of operational SEZ Baba Kalyani Committee 2018 was related to SEZ

SEZ की स्थापना किसके द्वारा की जा सकती है?

√ सरकार √ निजी कंपनी √ विदेशी कंपनी स्वचालित मार्ग के तहत 100% FDI की अनुमति है

SEZ का क्षेत्र

500 - 5000 हेक्टेयर (छूट की अनुमति है) कम से कम 50% क्षेत्र प्रोसेसिंग क्षेत्र होना चाहिए

तमिलनाडु में सबसे ज़्यादा SEZ चल रहे हैं बाबा कल्याणी समिति 2018 SEZ से संबंधित थी

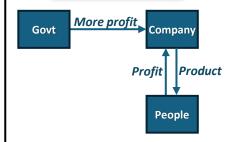
'SEZ' श्रेणी में अधिक विशिष्ट क्षेत्र प्रकारों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है The category 'SEZ' covers a broad range of more specific zone types, including

- √ free-trade zones
- ✓ free zones
- √ industrial estates
 ✓ export processing zones
 ✓ urban enterprise zones
 - ✓ free ports etc
- Exports from SEZs in 2022-23

\$155.8 billion (goods < services)

- \$61.6 billion of goods
- \$94.2 billion of service
- ~ 20% of overall exports

PLI scheme



Production Linked Incentive Scheme

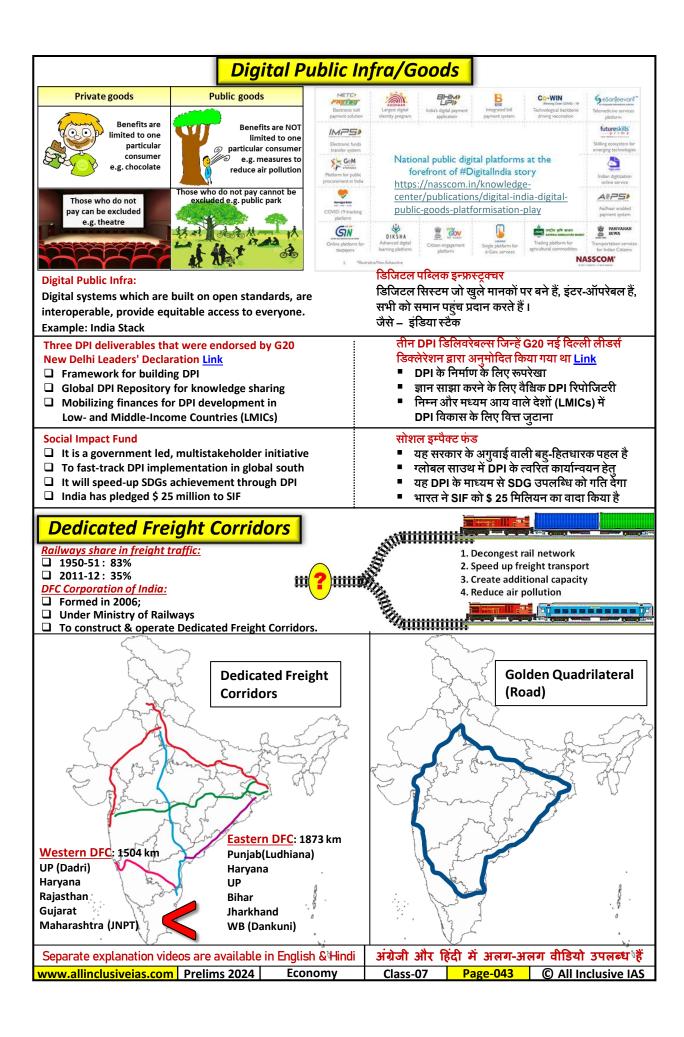
- Govt gives money to companies to increase manufacturing
- Launched in 2020 for electronics, later expanded to many sectors
- For Indian as well as foreign companies manufacturing in India
- Limited govt funds, so big companies are preferred
- (more production → more incentives)
- मैन्यफैक्चरिंग बढाने के लिए सरकार कंपनियों को पैसा देती है 2020 में इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए लॉन्च, बाद में कई क्षेत्रों में विस्तार
- भारत में मैन्युफेक्चरिंग करने वाली भारतीय और विदेशी कंपनियों के लिए
- सीमित सरकारी फंड, इसलिए बड़ी कंपनियों को प्राथमिकता दी जाती है (अधिक उत्पादन, अधिक प्रोत्साहन)

Separate explanation videos are available in English & Hindi अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy Page-040 © All Inclusive IAS Class-07

Electronics manufacturing

Some semiconductors: silicon, germanium, gallium arsenide	कुछ सेमीकन्डक्टर : सिलिकॉन, जर्मेनियम, गैलियम आर्सेनाइड
They have electrical conductivity between insulator (e.g. glass) and conductor (e.g. copper).	उनमें इन्सुलेटर (जैसे कांच) और कंडक्टर (जैसे तांबा) के बीच विद्युत चालकता होती है।
Challenges Capital, technology, skilled manpower, electricity, huge amount of ultra-pure water, etc.	चु <mark>नौतियाँ</mark> पैसा , प्रौद्योगिकी , कुशल जनशक्ति , बिजली , भारी मात्रा में अल्ट्रा-प्योर पानी, आदि
Taiwan World leader in semiconductor manufacturing Taiwan Semiconductor Manufacturing Company (TSMC) makes 50% of world's semiconductors	ताइवान सेमीकंडक्टर निर्माण में विश्व में अग्रणी ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (TSMC) दुनिया के 50% सेमीकंडक्टर बनाती है
Semiconductor Complex Limited (Mohali) Link-1 Link-2 1976: Union Cabinet approved formation of SCL 1984: Semiconductor manufacturing begins 1989: massive fire broke out (conspiracy suspected) 1997: production restarted 2000: govt tried to sell its stake 2005: new beginning under Department of Space Currently: "Semi-Conductor Laboratory" under Meity	1976 : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने SCL के गठन को मंजूरी दी 1984 : सेमीकंडक्टर निर्माण शुरू हुआ 1989 : बड़ी आग लग गई (साजिश का संदेह) 1997 : उत्पादन फिर से शुरू हुआ 2000 : सरकार ने अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश की 2005: अंतरिक्ष विभाग के तहत नई शुरूआत वर्तमान में: Meity के तहत "सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला"
2012 National Policy on Electronics ☐ Created roadmap for electronics manufacturing	2012 इलेक्ट्रॉनिक्स पर राष्ट्रीय नीति विनर्माण के लिए रोडमैप बनाया
2012 Electronics Manufacturing Clusters Scheme ☐ To create infra and common facilities ☐ Govt will pay certain % of project cost ☐ 50% of cost in Greenfield clusters ☐ 75% of cost in Brownfield clusters	2012 इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना बुनियादी ढांचा और सामान्य सुविधाएं बनाने के लिए परियोजना लागत का कुछ % पैसा सरकार देगी ग्रीनफील्ड क्लस्टर में लागत का 50% बाउनफील्ड क्लस्टर में लागत का 75%
Semicon India Programme Link □ launched in 2021 by Meity □ India Semiconductor Mission is nodal agency □ Govt will pay 50% of project cost for setting up ■ Semiconductor Fabs of any node ■ Display Fabs of specified technologies	 Meity द्वारा 2021 में लॉन्च किया गया इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन नोडल एजेंसी है सरकार कंपनी को परियोजना लागत का 50% भुगतान करेगी किसी भी प्रारूप के सेमीकंडक्टर फ़ैब्स लगाने के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के डिस्प्ले फैब्स लगाने के लिए
SPECS Link Scheme for Promotion of manufacturing of Electronic Components and Semiconductors Govt will give 25% on capital expenditure for identified list of electronic goods	 Scheme for Promotion of manufacturing of Electronic Components and Semiconductors इलेक्ट्रॉनिक सामानों की चिन्हित सूची के लिए सरकार पूंजीगत व्यय का 25% देगी
Design Linked Incentive Scheme Link ■ Financial incentives for chip design ■ C-DAC (under Meity) is nodal agency	 चिप डिजाइन के लिए वित्तीय प्रोत्साहन C-DAC (Meity के तहत) नोडल एजेंसी है
Chips to Startup (C2S) Link train engineers in Very large-scale integration (VLSI) and Embedded System Design C-DAC (under Meity) is nodal agency	बहुत बड़े पैमाने पर एकीकरण (VLSI) और एंबेडेड सिस्टम डिजाइन में इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया जाएगा C-DAC (Meity के तहत) नोडल एजेंसी है
Separate explanation videos are available in English & Hindi www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy	अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं Class-07 Page-041 © All Inclusive IAS
www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy	Class-07 Page-041 © All Inclusive IAS

Link Pharmacy Council फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया				
Pharmacy Council of India ☐ Statutory body under Pharmacy Act, 1948.	 यह फार्मेसी अधिनियम, 1948 के तहत एक वैधानिक निकाय है 			
Under Ministry of Health and Family Welfare.	 यह स्वास्थ्य और पिरवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आता है मरुख कार्य - 			
Main functions -	मुख्य कार्य -फार्मेसी शिक्षा को विनियमित करना			
 Regulate pharmacy education Regulate pharmacy profession 	 फार्मेसी पेशे को विनियमित करना 			
Pharmacy Act, 1948	फार्मेसी अधिनियम, 1948			
Central govt will create 'Pharmacy Council of India'	 केंद्र सरकार 'फार्मेंसी काउंसिल ऑफ इंडिया' बनाएगी 			
State govt will create 'State Pharmacy Council'	 राज्य सरकार 'स्टेट फार्मेसी काउंसिल' बनाएगी 			
Medical				
They must be registered with CDSCO.	प उन्हें CDSCO से पंजीकृत होना चाहिए। प उनके निर्माण, आयात और बिक्री को CDSCO द्वारा प्रमाणित			
☐ Their manufacture, import and sales must be certified by CDSCO.	जिया जाना चाहिए। किया जाना चाहिए।			
☐ Only notified medical devices are regulated as	🗖 केवल अधिसूचित चिकित्सा उपकरणों को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स			
"drugs" under the <u>Drugs and Cosmetics Act, 1940</u> .	एक्ट, 1940 के तहत "ड्रग्स" की तरह विनियमित किया जाता है।			
☐ 80% medical devices are imported.	🔲 80% चिकित्सा उपकरण आयात किए जाते हैं।			
Schemes by Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers Link	फार्मास्यूटिकल्स विभाग (रसायन और उर्वरक मंत्रालय) द्वारा योजनाएं			
PLI scheme for medical devices	<u>Link</u> 1) चिकित्सा उपकरणों के लिए PLI योजना			
2) PLI scheme for Pharmaceuticals	2) फार्मास्युटिकल्स के लिए PLI योजना			
3) Promotion of Medical Devices Parks - Rs. 100 crore	 चिकित्सा उपकरण पार्क - चिकित्सा उपकरण पार्कों में सामान्य 			
each to 4 States to create Common Infrastructure Facilities in Medical Devices Parks. (HP, UP, MP, TN)	बुनियादी सुविधाएं बनाने के लिए 4 राज्यों में से प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये। (HP, UP, MP, TN)			
4) Assistance to Medical Device Clusters for Common	4) सामान्य सुविधाओं के लिए चिकित्सा उपकरण समूहों को			
Facilities - financial incentive to govt or private	सहायता - मेडिकल पार्कों (परीक्षण प्रयोगशाला, ई-कचरा उपचार			
company to create common facilities in medical parks (testing lab, e-waste treatment facility, etc).	सुविधा, आदि) में सामान्य सुविधाएं बनाने के लिए सरकार या			
parks (testing lab), e-waste treatment lacinty, etc).	निजी कंपनी को वित्तीय प्रोत्साहन।			
	Stics Logistics Performance Index Link विक्ष बैंक द्वारा। भारत #38/139 मापदंड -			
by World Bank. India #38/139 Parameters: (1) Quality of logistics services	(1) लॉजिस्टिक्स सेवाओं की गुणवत्ता			
(2) Ease of arranging shipments	(2) शिपमेंट की व्यवस्था में आसानी			
(3) Timeliness (4) Tracking & Tracing	(3) समयबद्धता (4) ट्रैकिंग और ट्रेसिंग			
(5) Infrastructure (6) Customs	(5) बुनियादी ढांचा (6) सीमा शुल्क			
LEADS : Logistics Ease Across Different States Link	LEADS: Logistics Ease Across Different States Link			
□ by Ministry of Commerce & Industry	 ■ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा ■ 23 राज्यों/UT ने राज्य लॉजिस्टिक नीति बनाई है 			
 23 state/UT have a State Logistics Policy 16 state/UT have given industry status to logistics sector 	1			
	ार राज्या, जा निर्मा स्थानिक स			
Some initiatives under National Logistics Policy	 ULIP - यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म 			
☐ ULIP - Unified Logistics Interface Platform ■ integrates logistics related systems	 लोजिस्टिक्स संबंधित प्रणालियों को एकीकृत करता है 			
☐ eLOGS - Ease of Logistics Services	🔲 eLOGS - लोजिस्टिक्स सेवाओं में आसानी			
 for industries grievance redressal 	 उद्योगों के लिए शिकायत निवारण का एक जिरया 			
National Infrastructure Pipeline :	 प्रमुख (>100 करोड़) इन्फ्रा परियोजनाओं की सूची, जिनके 2025 			
List of major (>100 crores) infra projects, expected to	तक भारत में लागू होने की उम्मीद है।			
be implemented in India by 2025. Includes projects of Centre , States and private sector.	 इसमें केंद्र, राज्यों और निजी क्षेत्र की परियोजनाएं शामिल हैं। 			
☐ Total estimated expenditure is Rs 100 lakh crore	 कुल अनुमानित खर्च 100 लाख करोड़ रुपये है 			
Gati Shakti :	 मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी योजना के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान 			
☐ National Master Plan for multi-modal connectivity plan	 यह इन्फ्रा कनेक्टिविटी पिरयोजनाओं की योजना और निष्पादन के 			
☐ It is a digital platform for coordination among ministries,	लिए विभिन्न मंत्रालयों में समन्वय के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है			
for planning and execution of infra connectivity projects Cost shown in media: Rs 100 lakh crore Link	 मीडिया में दिखाई गई लागत: 100 लाख करोड़ रुपये 			
Separate explanation videos are available in English & Hir				
www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy	Class-07 Page-042 © All Inclusive IAS			



Railways

Commission of Railway Safety

- Under Ministry of Civil Aviation
- HQ: Lucknow, UP
- It also covers metro trains
- Till 1961, it was called "Railway Inspectorate"
- Under Railways Act, 1989, it has certain statutory functions- inspectorial, investigatory, advisory
- Its permission is necessary before starting any railway line in India.

रेलवे सरक्षा आयोग

- नागर विमानन मंत्रालय के अंतर्गत
- मुख्यालय: लखनऊ, UP
- यह मेट्रो ट्रेनें को भी देखता है
- 1961 तक, इसे "रेलवे निरीक्षणालय" कहा जाता था
- रेलवे अधिनियम, 1989 के तहत, इसके कुछ वैधानिक कार्य हैं-निरीक्षणीय, जांच संबंधी, सलाहकार
- भारत में किसी भी रेलवे लाइन को शुरू करने से पहले इसकी अनुमति जरूरी है।

Kavach

- Developed by Indian Railways through Research Designs & Standards Organisation (RDSO)
- It uses RFID technology
- 2012: Development started under the name Train Collision Avoidance System (TCAS)
- 2022: Development completed
- Now: being deployed, will take many years

कवच

- अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) के माध्यम से भारतीय रेलवे द्वारा विकसित
- यह RFID तकनीक का उपयोग करता है
- 2012: ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम (TCAS) नाम से विकास शुरू हुआ
- 2022: विकास पूरा हुआ
- अब: तैनात होने में, कई साल लगेंगे

ICF coach (based on Swiss technology)

- Designed and made by Integral Coach Factory, Chennai
- used on majority of Indian Railways (IR) lines.
- Between 1955-2018, more than 54,000 were produced
- Production stopped in 2018
- To be phased out by 2030

- इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई द्वारा डिजाइन और निर्मित
- अधिकांश भारतीय रेलवे लाइनों पर उपयोग किया जाता है।
- 1955-2018 के बीच, 54,000 से अधिक बनाए गए
- 2018 में उत्पादन बंद किया गया
- 2030 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त समाप्त किए जाएंगे

LHB coach (based on German technology)

- Linke Hofmann Busch
- Made at Kapurthala, Raebareli, Chennai
- 1993: Railway starts looking for better coaches
- 1995: Transfer of Technology agreement for LHB
- 1998: Production started
- Better than ICF. Also, they are anti-telescopic.

- लिंके हॉफमैन बुश
- कपूरथला, रायबरेली, चेन्नई में निर्मित
- 1993: रेलवे ने बेहतर कोच की तलाश शुरू की
- 1995: LHB के लिए प्रौद्योगिकी हरूतांतरण समझौता
- 1998: उत्पादन शुरू हुआ
- ICF से बेहतर है , व एंटी-टेलिस्कापिक हैं

Rashtriya Rail Sanraksha Kosh

- for critical safety related works in railways
- created in 2017-18 with a corpus of ₹1 lakh crore
- Types of work: mechanical, electrical, civil, etc.
- रेलवे में महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए
- 2017-18 में ₹ 1 लाख करोड़ के कोष के साथ बनाया गया
- काम के प्रकार: मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, आदि।

RRTS

https://ncrtc.in/about-us-overview/

National Capital Region Transport Corporation (NCRTC)

- JV company of Centre, Delhi, Haryana, Rajasthan, UP
- est. in 2013 to implement Regional Rapid Transit System
- Chairman: Secretary (MoHUA) (ex-officio)
- Members: from Centre & states

Timeline:

- 1998 Railways gives the idea
- 2006 Planning Commission forms task force
- 2009 Task force submits report
- 2011 Parties agree, sign MoU
- 2013 Parties give money, NCRTC is formed
- 2019 Construction starts on Delhi-Meerut route
- 2023 small section starts

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (NCRTC)

- केंद्र, दिल्ली, हिरयाणा, राजस्थान, यूपी की संयुक्त क्षेत्र की कंपनी है
- रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को लागू करने के लिए 2013 में गठित
- अध्यक्ष: सचिव (MoHUA) (पदेन)
- सदस्य: केंद्र और राज्यों से

समयरेखाः

- 1998 रेलवे ने सुझाव दिया
- 2006 योजना आयोग ने टास्क फोर्स गठित की
- 2009 टास्क फोर्स ने रिपोर्ट दी
- 2011 पार्टियों ने सहमति दी, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- 2013 पार्टियों ने पैसा दिया, NCRTC का गठन हुआ
- 2019 दिल्ली-मेरठ मार्ग पर निर्माण शुरू
- 2023 छोटा खंड शुरू हुआ

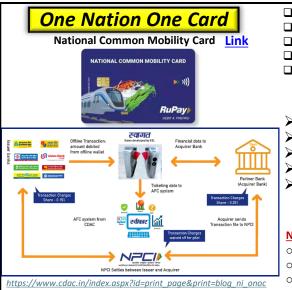
Separate explanation videos are available in English & Hindi

www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

Class-07 Page-044

© All Inclusive IAS



- ☐ launched in 2019, made by MoHUA and NPCI
- ☐ It is an open loop card (metro, bus, parking, shopping, ATM, etc)
- ☐ It uses NFC technology for contactless payment.
- ☐ It supports offline transactions for low-value transactions.
- ☐ It has 2 instruments -
 - a regular debit card
 - local wallet (prepaid card)
- Мониа और NPCI द्वारा निर्मित, 2019 में लॉन्च
- 🗲 यह एक ओपन लप कार्ड है (मेट्रो, बस, पार्किंग, शॉपिंग, एटीएम, आदि)
- 🕨 यह संपर्क रहित भुगतान के लिए NFC तकनीक का उपयोग करता है।
- 🕨 यह कम मुल्य के लेनदेन के लिए ऑफ़लाइन इस्तेमाल किया जा सकता है।
- 🗕 इसके 2 उपकरण हैं 🗕
 - 🕨 एक सामान्य डेबिट कार्ड
 - लोकल वॉलेट (प्रीपेड कार्ड)

NCMC payment ecosystem

- NCMC Card (issued by bank and Rupay, VISA, Master card)
- SWEEKAR (Swachalit Kiraya) developed by C-DAC
- SWAGAT (Swachalit Gate) developed by BEL

Bharat NCAP

Front

Side

Crash test speed

Pole side: 29 km/h

: 64 km/h

: 50 km/h

- Notified under Motor Vehicle Act 1988
- Weight: up to 3,500 kg
- Base model will be tested
- CNG, electric? Obviously yes
- 5 star rating : adult and child
- It is a voluntary program
- It is based on Automotive Industry Standard (AIS) 197
- मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत अधिस्वित
- वजन: 3,500 किलो तक
- 📱 बेस मॉडल का परीक्षण किया जाएगा
- CNG, इलेक्ट्रिक? जाहिर है हाँ
- 5 स्टार रेटिंग : बड़े और बच्चे
- यह एक स्वैच्छिक कार्यक्रम है
- ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (AIS) 197 पर आधारित है

Ports One in each coastal state except Maharashtra (2) Tamil Nadu (3) Paradip Vizag Mormugao Mangalore Chennai Tuticorin

https://shipmin.gov.in/division/ports-wing Major ports - 12

under Ministry of Shipping

Non-major ports (minor ports) - 200

- ☐ under State govt / State Maritime Board
- ☐ 65 ports handle cargo
- others are 'Port Limits' where no cargo is handled. They are used by fishing vessels and by small ferries to carry passengers across the creeks etc.

प्रमुख बंदरगाह - 12

🔲 जहाजरानी मंत्रालय के अधीन

गैर प्रमुख बंदरगाह (छोटे बंदरगाह) - 200

- राज्य सरकार / राज्य समुद्री बोर्ड के तहत
- 🔲 65 बंदरगाह कार्गो संभालते हैं
- अन्य 'पोर्ट लिमिट' हैं जहां कोई कार्गो नहीं संभाला जाता है। उनका उपयोग मछली पकड़ने के जहाजों और छोटी नौकाओं द्वारा यात्रियों को खाड़ियों आदि में ले जाने के लिए किया जाता है।

<u>'Harit Sagar'</u>

- Green Port Guidelines 2023
- by Ministry of Ports, Shipping and Waterways

Kochi Water metro

- It is India's first water metro.
- Made by Kochi Water Metro Limited:
 - > 74% Kerala govt, 26% Kochi Metro Rail Ltd
- यह भारत की पहली वाटर मेट्रो है।
- कोच्चि वाटर मेट्रो लिमिटेड द्वारा निर्मित:
 - 🗲 74% केरल सरकार, 26% कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

www.allinclusiveias.com Prelims 2024 Economy Class-07 Page-045

© All Inclusive IAS